# सफलता की कहानी (जल संरक्षण टैंक)

श्री रवीन्द्र मोहन शर्मा को सर्वप्रथम 20.12.04 को जल संरक्षण प्रशिक्षण हेतु जैन एरिगेशन में प्रशिक्षण हेतु जलगांव (महाराष्ट्र) प्रशिक्षण हेतु भेजा गया। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद कृषक में सर्वप्रथम जल से अभावग्रस्त भूमि में पानी उपलब्धता के बारे में सोचा। उद्यान सचल दल केन्द्र,हल्द्वानी ने उन्हें सामूहिक रेनवाटर हार्वेस्टिंग टैंक बनाने की राय दी। कृषक द्वारा उद्यान तकनीकी मिशन के अन्तर्गत 3 लाख लीटर क्षमता का 20x15x1.5 मीटर रू0 3.00 लाख का एक टैंक जमीन के अन्दर निर्मित (पक्का टैंक) कराया जिस हेतु तकनीकी मिशन योजनान्तर्गत उद्यान विभाग नैनीताल से रू0 1.00 लाख की राजसहायता प्राप्त की गई। पानी उपलब्ध हो जाने पर कृषक द्वारा तकनीकी मिशन के अन्तर्गत एक है0 क्षेत्र में लीची, एक है0 क्षेत्र में आम का उद्यान, 1.5 हैक्टर क्षेत्र में 1500 केला का रोपण के साथ-साथ 3 एकड़ क्षेत्र में जडी-बूटी के अन्तर्गत स्टीविया,सतावर, जिरेनियम का रोपण कराया। केले का रोपण राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड के अन्तर्गत 1.5 लाख को प्रोजेक्ट तैयार कर कराया गया। केले में ड्रिप सिंचाई व्यवस्था का प्रयोग किया गया है इसी प्रकार लीची एवं आम के उद्यान में भी ड्रिप सिस्टम व जडी-बूटी में स्प्रिंकलर लगाने का प्रस्ताव उद्यान तकनीकी मिशन के अन्तर्गत है।

कृषक द्वारा कृषि फसलों के स्थान पर उद्यान स्थापना कर उद्यान के साथ खाली स्थान पर बेमौसमी सब्जी मटर,मूली व हरी सब्जियों का उत्पादन कर एक लाख कृषि फसल उत्पादन के सापेक्ष तीन लाख तक का उत्पादन प्राप्त किया गया है। यह लाभ टैंक से प्राप्त सिंचाई हेतु जल की प्राप्ति से हुआ है। औद्यानिक फसलों से लाभ मिलने से उद्यान फसलों को उगाने हेतु कृषकों के साथ-साथ अन्य कृषक भी प्रोत्साहित हुए है।

नीलक्रान्ति स्वय सहायता समूह भवान सिंह नवाड,हल्द्वानी द्वारा निमित सामुदायिक सिंचाई टैंक